http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 161

प्रयागराज बुधवार 26 फरवरी 2025

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रुपया

साइबर हमलों जैसी गैर पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार रहे तटरक्षक बल : राजनाथ

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तटरक्षक बल से साइबर हमलों , डेटा चोरी, सिग्नल और राडार जैमिंग जैसी गैर पारंपरिक चुनौतियों से निपटने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी अपनाने तथा इन स्थितियों से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने को कहा है। श्री सिंह ने मंगलवार को यहां तटरक्षक बल के अलंकरण समारोह में वीरता, विशिष्ट सेवा और उल्लेखनीय सेवा के लिए 32 कर्मियों को पदकों से सम्मानित किया। इनमें राष्ट्रपति के छह तटरक्षक पदक, 11 तटरक्षक पदक (वीरता) और 15 तटरक्षक पदक शामिल हैं। रक्षा मंत्री ने इस अवसर पर वीरता के लिए तटरक्षक पद से सम्मानित कमांडेंट सौरभ (मरणोपरांत) को नमन किया तथा उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि बदलते समय में तटरक्षक बलों की चुनौतियां भी बदल रही हैं इसलिए बल को अपने आपको इनसे निपटने में सक्षम बनाकर हमेशा तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा , " हमारे सामने वर्षों से, जो पारंपरिक खतरे उभर रहे हैं, उनको दूर करने के लिए आप सभी हमेशा चौकस रहते हैं। लेकिन जैसे–जैसे समय बदल रहा है, हमारे सामने अब चुनौतियां भी अलग तरीके की आ रही हैं। उन्नत प्रौद्योगिकी के इस दौर में, हमारे सामने ऐसी चुनौतियां भी आ रही हैं, जो गैर पारंपरिक हैं।तटरक्षक बल को साइबर हमले, डेटा चोरी, सिग्नल जैमिंग, रडार में व्यवधान और जीपीएस धोखे जैसे अनेक प्रौद्योगिकी खतरे से को दो–चार होना पड़ रहा है।" उन्होंने कहा कि कहने का अर्थ यह है कि तटरक्षक बल के सामने, एक ओर पारंपरिक खतरे हैं, तो दूसरी ओर नये उभरते खतरे भी हैं। यानी आपको दोनों ही तरीके से चौकस रहने की जरूरत है रक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में जिस सशक्त और समृद्ध भारत की संकल्पना की जा रही है उसकी राह सभी बलों के सशक्तीकरण से होकर जाती है। उन्होंने कहा , " हमारी सशक्त सुरक्षा को मैं, सशक्त कृषि, सशक्त शिक्षा, सशक्त स्वास्थ्य, सशक्त अर्थव्यवस्था, सशक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी और संपूर्ण राष्ट्रीय और सामाजिक सशक्तीकरण से जोड़कर देखता हूँ। हमारे सपनों का भारत तभी सशक्त हो सकेगा, जब हमारी सुरक्षा व्यवस्था और हमारे सुरक्षा बल सशक्त होंगे। " श्री सिंह ने कहा कि सरकार तटरक्षक बल की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी ने एडवांटेज असम 2.0 समिट का उद्घाटन किया, बोले...

नए भविष्य की शुरुआत

- राजनीतिक स्थिरता, सुशासन–सुधारों ने भारत के लिए दुनिया की उम्मीदें जगाईः पीएम
- अनिश्चितताओं के इस दौर में भी दुनिया को भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि पर भरोसाः मोदी

गुवाहाटी / नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया भर में इस समय फैले अनिश्चितता के वातावरण के बावजूद भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि को लेकर जानकार आश्वस्त हैं। श्री मोदी ने कहा कि यह भरोसा देश की सुधारवादी नीतियों, हुनरमंद एवं नवाचारी युवा वर्ग, उभरते नव–मध्यवर्ग और राजनीतिक स्थिरता तथा नीतिगत निरंतरता के प्रति देश की 140 करोड़ आबादी के समर्थन को देख कर बना है। श्री मोदी असम सरकार द्वारा गुवाहाटी में आयोजित वैश्विक निवेश सम्मेलन–एडवांटेज असम का उद्घाटन कर रहे थे। सम्मेलन में दुनिया भर से निवेशक, नीति निर्माता और राजनयिक भाग ले रहे हैं। श्री मोदी ने कहा, " आज हम वैश्विक परिस्थितियों को बारीकी से देख रहे हैं। .....वैश्विक अनिश्चितताओं के वातावरण में एक बात निश्चित है कि जानकार भारत की तेज ग्रोथ (तीव्र आर्थिक वृद्ध) को लेकर भरोसा कर रहे हैं। इस भरोसे के ठोस कारण हैं। " उन्होंने कहा कि आज का भारत अगले 25 साल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के एक सपने को लेकर एक के बाद एक नये–नये फैसले कर रहा है। संपर्क सुविधाओं का विस्तार कर रहा है। दुनिया को भारत की युवा आबादी पर भरोसा है, जो तेजी से कौशल–सम्पन्न और नवाचारी हो रही है। भारत में एक नया मध्यम वर्ग उभर रहा है। देश की 140 करोड़ जनता है, जो राजनीतिक स्थिरता और नीतियों में निरंतरता के साथ खड़ी है। देश में सुशासन के साथ–साथ सुधार जारी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, " आज भारत अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत कर रहा है और दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। पूर्वी एशिया के साथ हमारे संबंध मजबूत हो रहे हैं और भारत–मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया)–यूरोप आर्थिक गलियारा नये अवसर पैदा कर रहा है। " प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने अपने विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिये मिशन मोड पर काम शुरू किया है।

सरकार लोगों की उम्मीदों और आकांक्षाओं के प्रति है सजग: सक्सेना

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र श्सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, सबका सम्मानश मेरी सरकार की दिशा तय करेगी, मेरी सरकार लोगों की बढ़ती उम्मीदों और आकांक्षाओं के प्रति पूरी तरह सचेत है। श्री

सक्सेना ने दिल्ली विधानसभा में अपने अभिभाषण में आज कहा श्री मोदी का मंत्र 'सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, सबका सम्मान मेरी सरकार की दिशा होगी। सरकार लोगों की बढ़ती जरूरतों और अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी। सरकार भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन, महिला सशक्तिकरण, गरीबों का कल्याण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, अच्छी शिक्षा का मॉडल, विश्व स्तरीय सड़कें, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त दिल्ली, स्वच्छ यमुना, स्वच्छ जल और अनधिकृत कॉलोनियों का नियमितीकरण जैसे 10 क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि यह सरकार विकसित दिल्ली संकल्प पत्र को नीतिगत रूप से अंगीकार करेगी और आमजन से किए गए वादों को पूरा करने के साथ ही उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में लगातार झड़पें, आरोप–प्रत्यारोप ने दिल्ली को नुकसान पहुंचाया है। पिछले दस वर्षों में विचार विमर्श की जगह अमर्यादित आचरण सदन में देखा गया है। उन्होंने कहा कि राजस्व बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार यमुना की सफाई और वायु प्रदूषण के लिए लघु मध्यम और दीर्घकालिक योजना लागू करेगी। दिल्ली को सबसे स्वच्छ मेट्रो शहर शहर बनाना उद्देश्य होगा।

महाकुंभ को लेकर सीएम योगी का सपा पर हमला

जिसकी जैसी दृष्टि वैसी उसकी सृष्टि

- योगी बोले– हम मुल्ला–मौलवी नहीं बनातेः 30 हजार पुलिस भर्ती होगी, मक्का में सालभर में 1.40 करोड़ लोग पहुंचे

लखनऊ ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद में समाजवादी पार्टी (सपा) की पूर्ववर्ती सरकार और अपने नेतृत्व वाली सरकार की तुलना करते हुए आरोप लगाया कि सपा सरकार में केवल समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों को पैसे (सरकारी सहायता) मिलते थे, लेकिन वर्तमान सरकार संवेदनशील तरीके से उत्ध्तर प्रदेश के हर व्यक्ति के लिए काम कर रही है। विधानमंडल के बजट सत्र के छठे दिन विधान परिषद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए कहा आज किसी भी गरीब के लिए अपना उपचार कराना कठिन नहीं रहा। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत अकेले उप्र में 10 करोड़ लोगों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा का कवर मिलता है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस स्वास्थ्य स्कीम के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि विधान परिषद सदस्य को प्रतिवर्ष अपनी निधि से पीड़ित व्यक्ति को एक निश्चित धनराशि देने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पिछले पौने आठ वर्ष के अंदर जो धनराशि दी गयी है, वह बिना भेदभाव के दी गई है। उन्होंने कहा "अगर जिलाधिकारी तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट देता है तो उसी आधार पर धनराशि तत्काल प्रेषित कर दी जाती है।" योगी ने आरोप लगाया समाजवादी पार्टी की सरकार के समय बराबर यह चर्चा होती थी कि केवल समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों को पैसा मिलता था शेष को नहीं। सदन में विपक्षी सदस्यों की ओर लक्ष्य करके उन्होंने कहा आपके समय क्या होता था? हर कार्य को समाजवादी नाम दे दिया जाता था। बस सेवा भी..., पैसा सरकारी लेकिन उसका नाम समाजवादी बस सेवा। पैसा सरकार का लेकिन समाजवादी पेंशन स्ध्कीम। ऐसे ही सरकारी पैसा समाजवादी हो गया था। आदित्यनाथ ने कहा वर्तमान सरकार संवेदनशील तरीके से उत्ध्तर प्रदेश के हर व्यक्ति के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा "हमारी सरकार पैसे की और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर 2017 तक उप्र में केवल 17 मेडिकल कालेज थे लेकिन आज हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज है।

अंबेडकर की फोटो को पुनःस्थान देने को लेकर विरोध–प्रदर्शन जारी रहेगा: आतिशी

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली सरकार के कार्यालयों में बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर के चित्र को पुनः उसके समुचित स्थान पर लगाये जाने की मांग को लेकर उनकी पार्टी धरना–प्रदर्शन जारी रखेगी। सुश्री आतिशी ने इस मुद्दे पर विधानसभा परिसर में 'आप' विधायकों के प्रदर्शन के बीच मीडिया से बातचीत में कहा, " हम मुख्यमंत्री कार्यालय में

बाबा साहेब के फोटो को हटाए जाने के खिलाफ सदन से लेकर सड़क तक प्रदर्शन करते रहेंगे। यह प्रदर्शन तब तक चलेगा, जब तक कि बाबा साहेब की तस्वीर को उचित स्थान पर पुनः नहीं लगा दिया जाता है। " उन्होंने कहा, " आज नरेन्द्र मोदी जी (प्रधानमंत्री) बाबा साहेब से बड़े हो गए हैं। " इस मुद्दे पर सुबह विधानसभा में उप–राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के अभिभाषण के दौरान 'आप' के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया, जिसके कारण अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता रिपीट विजेन्द्र गुप्ता ने लगभग 12 विधायकों को दिनभर के लिये निलंबित कर दिया। हंगामा कर रहे कई विपक्षी विधायकों को मार्शल से सदन के बाहर करा दिया गया था। इसके बाद, 'आप' के विधायक विधानसभा परिसर में नारेबाजी करते हुये धरने पर बैठ गये थे, जिसमें श्रीमती आतिशी भी शामिल थीं।

क्राउड कंट्रोल के लिए बनाए होल्डिंग एरिया, रेस्ट एरिया में करोड़ों लोगों ने आराम किया।

प्रयागराज। महाकुंभ में शहर को स्वच्छ रखने और आने वाले तीर्थयात्रियों को जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाने का नगर निगम का संकल्प पूरा हुआ। करीब 59 लाख आबादी वाले शहर की सफाई व्यवस्था संभालने और निवासियों को सुविधाएं देने वाले नगर निगम ने प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के शहर में होने पर भी सफाई के साथ हर व्यवस्था बखूबी संभाली । चाहे शहर को साफ सुंदर बनाना हो या फिर लोगों को सुविधाएं मुहैया करवाना हो । हर स्तर पर नगर निगम की व्यवथाएं चाक चौबंद दिखीं । पब्लिक टॉयलेट्स की मैकेनाइज्ड क्लीनिंग के साथ जगह जगह अस्थायी टॉयलेट्स इनस्टॉल किए गए, पेयजल के लिए थोड़ी–थोड़ी दूरी पर जल निगम के टैंकर लगवाए गए। ठंड में लोग रात छत के नीचे गुजार सकें, इसके लिए रैन बसेरों और अलाव की व्यवस्था नगर निगम द्वारा की गई । इन सबके साथ ही

निगम ने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का भी हर संभव प्रयास किया। अपर आयुक्त दीपेन्द्र यादव ने बताया कि 13 जनवरी से प्रतिदिन एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। शहर में इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के होने की उम्मीद हमें पहले ही थी। इसके लिए नगर निगम ने शहर की साफ–सफाई के लिए 10 हजार सफाईकर्मी लगाए। 24 घंटे में 3 टाइम सड़कों पर झाड़ू लगवाई गई। इसके साथ ही टिपर पर कूड़ा उठवाकर बसवार भेजा जा रहा है। पूरे शहर में 5 हजार डस्टबिन लगवाए गए। जोनल अफसर निरीक्षण कर शहर भर में सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग कर रहे हैं तो हमारे 50 ट्यूलिप इंटर्न्स भी शहर भर के 226 शौचालयों की साफ–सफाई की व्यवस्था देख रहे हैं । सार्वजनिक स्थान पर 96 मोबाइल टॉयलेट्स और 200 टेम्प्रेरी यूरिनल्स भी इनस्टॉल किए गए। अपर आयुक्त ने बताया कि महाकुम्भ के दौरान बढ़ती ठंड और भीड़ को देखते हुए हमने रैन बसेरों की संख्या भी बढ़ा दी. पहले जहाँ 8 स्थायी और 38 अस्थायी रैन बसेरे थे, इनकी संख्या बढ़ाकर 75 कर दिया गया ताकि तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो । जब महाकुम्भ आने वालों की भीड़ बढ़ी तो हमने क्राउड मैनेजमेंट के लिए के पी इंटर कॉलेज, क्रासबेट स्कूल और खुशरू बाग में तीन होल्डिंग एरिया बनाए ताकि दूर दराज से आ रहे लोगों को कुछ समय के लिए इन जगहों पर आराम करने के लिए जगह मिल सके और भीड़ को थोड़ी थोड़ी देर के लिए रोका भी जा सके । इसके अलावा हमने पूरे शहर में 88 जगहों पर रेस्ट एरिया भी बनाए यहाँ बैठने के साथ पीने का पानी और अस्थायी टॉयलेट की सुविधा भी हमने उपलब्ध करवाई । जल निगम नगरीय द्वारा पेयजल के लिए पूरे शहर में 1 हजार लीटर के 107 पानी के टैंकर लगवाए गए। नगर निगम के मुख्य अभियंता सतीश कुमार ने बताया कि महाकुम्भ के महाआयोजन को देखते हुए कुल 200 सड़कों का उन्नयन किया गया है। इसमें नई सड़कों का भी निर्माण हुआ है, जबकि सड़कों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण भी किया गया है । नगर निगम द्वारा 78 सड़कों का नव निर्माण, चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण किया गया। इन सड़कों को 3 लाख पौधों और एक लाख हॉर्टीकल्चर सैंपलिंग से सजाया गया है। सड़कों पर पौधे भी रोपित किए गए सड़कों का निर्माण तीनों विभागों के लिए आसान नहीं रहा । निर्माण के दौरान कई ऐसे स्थल थे, जहां पर एंक्रोचमेंट हटाया गया। नगर निगम के अधिशासी अभियंता राधा कृष्ण लाल ने बताया कि शहर भर के 29 मार्गों को 2 हजार से अधिक थीमेटिक लाइटों से सजाया गया । इन लाइट्स को लगाने का मुख्य उद्देश्य रात के समय सड़कों पर पर्याप्त रोशनी रखना तो था ही साथ ही हम महाकुम्भ आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुम्भ की भव्यता से परिचित कराना चाहते थे। शहर को इस तरह से सजाया गया कि शहर में आते ही श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुभूति हो। इसके लिए मॉर्टिफ्स पर शंख, भगवान शिव के त्रिनेत्र, कलश, डमरू, मोर पंख, धनुष बाण सहित अन्य धार्मिक चिन्ह की थीमेटिक लाइट लगाई गईं।

स्टेनलेस स्टील थालियो एवं कपडे की थैलियों का वितरण किया।

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने मंगलवार को शिवाजी कदम, मुख्य

पर्यावरण प्रबन्धक के द्वारा सूबेदारगंज कोच वॉशिंग लाइन के सफाई कर्मियों को स्टेनलेस स्टील थालियो एवं कपडे की थैलियों का वितरण किया गया । पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था अनुभाग उमरे मुख्यालय ने आज प्लास्टिकध्थर्माकोल के प्लेटों एवं सिंगल यूस प्लास्टिक के उपयोग को कम करने हेतु स्टेनलेस स्टील थालियो एवं कपडे की थैलियों का वितरण किया। शिवाजी कदम ने सफाई कर्मियों को कपड़े के थैलो एवं थालियो के महत्व को भी समझाया तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने एवं तंबाखू, गुटखा इत्यादि न खाने की सलाह दी। समाजसेवी संस्थान पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की तरफ से प्राप्त थालियाँ तथा थैलियों का वितरण प्रदुषण रोकने में काफी मददगार साबित हो रहा है ए इस गतिविधि में प्रताप मुख्य डिपो अधिकारी ने भी सफाई कर्मियों को स्टेनलेस स्टील थालियो एवं कपडे की थैलियों का वितरण किया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अजय पटेल वरिष्ठ खंड इंजीनियर, एस.एस.शर्मा वरिष्ठ खंड इंजीनियर, अखिलेश कुमार सिंह वरिष्ठ खंड इंजीनियर एवं जितेंद्र पासवान वरिष्ठ खंड इंजीनियर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सम्पादकीय

अमेरिकी अपमान पर प्रधानमंत्री की चुप्पी ठीक नहीं

जो भारतीय जनता पार्टी यूएसऐड से मिले 21 मिलियन डॉलर की मदद के नाम पर कांग्रेस को फंसाने का जाल बुन रही थी, अंततरू उसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फंस गये हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह बयान देकर मोदी को गम्भीर संकट में डाल दिया है कि श्यह राशि उनके मित्र मोदी और भारत को मिली है।श इसे लेकर जहां भाजपा के प्रवक्ताओं, उसके आईटी सेल और ट्रोल आर्मी को सांप सूंघ गया है, वहीं कांग्रेस अब हमलावर है। अब तक ट्रम्प के बयान की न तो भाजपा या केन्द्र सरकार ने पुष्टि की है और न ही खंडन, परन्तु अब गेंद सीधे मोदी के पाले में है। केवल उन्हीं की ओर से इस बाबत कोई बयान आने का महत्व होगा। ट्रम्प का यह बयान मोदी को केवल राशि मिलने तक सीमित न होकर अनेक अर्थ खोलता है। यह मामला कहां तक जायेगा, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा, लेकिन इससे मोदी बुरी तरह से घिरते साफ दिखाई देते हैं। इसका पहला संकेत तो यही है कि ट्रम्प के आरोपों का किसी के पास कोई जवाब नहीं है। इस मामले के कई आयाम हैं। पहला यह कि कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास मोदी के विरूद्ध बहुत बड़ा मामला हाथ लग गया है। चूंकि मोदी ट्रम्प के साथ अपनी मित्रता का बार–बार दावा करते रहे हैं, इसलिये उनकी पार्टी तथा समर्थक यह आरोप भी नहीं लगा सकते कि उनके या भारत के खिलाफ कतिपय ताकतें काम कर रही हैं, जैसा कि ऐसे मामलों में अक्सर कह दिया जाता है। अमूमन इस तरह के आरोप लगने पर इसे श्विदेशी ताकतों का हाथ बताया जाता हैश अथवा श्विपक्ष के इशारे पर रची जाने वाली साजिशश। अब तो उन पर दबाव है कि उन्हें खुद को पाक–साफ साबित करना है। ऐसा करने के लिये उन्हें ट्रम्प को झूठा साबित करना होगा। खुद के अलावा सभी विरोधी नेताओं को भ्रष्टाचारी करार देने वाले मोदी निरूत्तर हैं। भारत सरकार के ही वित्त मंत्रालय ने अपने रिकॉर्ड्स की छानबीन कर कह दिया है कि यूएसऐड की मदद से देश में 7 परियोजनाएं तो चल रही हैं परन्तु उनमें वोटर टर्नआउट बढ़ाने को लेकर कोई भी कार्यक्रम नहीं है। इससे यह सवाल भी उठने लगा है कि क्या इस राशि को छिपाया गया है या किसी गलत तरीके से लिया गया है जिससे सीधे मोदी अथवा भाजपा को लाभ मिला है? विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इसे चिंताजनक बतलाते हुए कहा कि श्इसकी जांच हो रही है जिससे सच्चाई सामने आ जायेगी।श इस राशि का प्रदाय वोटर टर्नआउट बढ़ाने के लिये किया गया है, अतरू इसे पिछले दिनों हुए विभिन्न चुनावों में मतदान का प्रतिशत बढ़ने से जोड़ा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि अनेक राज्यों के विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव में मतदान समाप्त होने के समय जो प्रतिशत होता था, वह अगले तीन–चार घंटों में बड़े पैमाने पर बढ़ जाता था। यह माना जाता है कि इसके कारण अनेक राज्यों में हारती हुई भाजपा को सरकार बनाने में मदद मिली थी। महाराष्ट्र में तो हिमाचल प्रदेश की आबादी के बराबर के मतदाता पांच माह की अल्प अवधि में बढ़ गये। यहां तक कि लोकसभा चुनाव में भी कहा जाता है कि भाजपा ने करीब 80 सीटें मैनेज कीं वरना वह सरकार बनाने की स्थिति में नहीं थी। तो क्या यह 21 मिलियन की राशि इस तरह से वोटर टर्नआउट बढ़ाने के नाम पर खर्च की गयी जिससे भारत के कई चुनाव प्रभावित किये गये? यह प्रश्न भी उठ खड़ा हुआ है। पिछले कुछ दिनों से मोदी व भारत के बारे में या उन्हें प्रभावित करने वाले बयानों की श्रृंखला में ट्रम्प ने बैलेट पेपर की भी बात छेड़ दी है जिसके बारे में अनुमान है कि उनका इशारा भारत की चुनाव प्रक्रिया की ओर ही है जो पिछले कुछ समय में जबर्दस्त विवादों में है। जिन चुनावों की बात ऊपर की गयी है, उनमें गड़बड़ियां और कथित हेरा–फेरी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से ही की गयी हैं। देश में इसका जबर्दस्त विरोध हो रहा है जबकि भाजपा, केन्द्र सरकार और उसके इशारे पर केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ईवीएम के जरिये ही चुनाव कराता है। कई विरोधी दल और सिविल सोसायटियां इसके खिलाफ हैं और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रही हैं। चुनाव आयोग तो इस पर विपक्ष की बात सुनने के लिये तैयार ही नहीं है, सुप्रीम कोर्ट से भी यह मांग नामंजूर हो चुकी है। दुनिया के ज्यादातर विकसित व लोकतांत्रिक रूप से परिपक्व देश बैलेट पेपर से ही चुनाव कराते हैं।

‘एक थाली और एक थैला’ अभियान ने दिखा दी देश को नई दिशा

विनोद पाठक

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में एक ऐसा अनूठा अभियान चलाया जा रहा है, जो देश में प्लास्टिक के इस्तेमाल को लेकर दिशा और दशा, दोनों को बदल सकता है। दरअसल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने महाकुंभ से पहले देशभर से श्एक थाली और एक थैलाश इकट्ठा करने का बड़ा अभियान छेड़ा था, ताकि प्लास्टिक की थाली और थैलियों के प्रयोग से बचा जा सके। देश से जुटाई गईं स्टील की थालियों और कपड़े के थैलों की महाकुंभ में अखाड़ों, संस्थाओं और सरकारी विभागों को आपूर्ति की गई। इस अभियान के क्रांतिकारी परिणाम सामने आए हैं, जो न केवल आर्थिक, बल्कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण हैं।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक महाकुंभ में अब तक 62 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद 4200 हेक्टेयर में फैला महाकुंभ मेला क्षेत्र स्वच्छ नजर आता है। हजारों की संख्या में मेला क्षेत्र में भंडारे चलने के बावजूद कहीं भी प्लास्टिक की थाली या गिलास देखने को नहीं मिल रहे हैं। मेला प्रशासन की सफाई को लेकर व्यवस्था तो ही है, लेकिन इसका बड़ा श्रेय श्एक थाली और एक थैलाश अभियान को भी जाता है। महाकुंभ आयोजन से जुड़े सरकारी अधिकारियों ने भी प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर प्रयास शुरू किए। इसमें साधु–संतों को अपने साथ जोड़ा गया। अखाड़ों ने यह प्रण लिया कि इस बार प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे। हालांकि, असली समस्या यह आ रही थी कि यदि प्लास्टिक नहीं तो फिर क्या?

...ताकि प्लास्टिक का इस्तेमाल हो सके कम

इसका रास्ता दोना–पत्तल और कुल्हड़ से निकला, लेकिन करोड़ों की संख्या में इनकी आपूर्ति आसान नहीं होती। फिर इनके निस्तारण की व्यवस्था भी करनी पड़ती। इसके बाद स्टील की थाली और कपड़े के थैले का आइडिया सामने आया। स्टील की थाली को धोकर दोबारा इस्तेमाल में लिया जा सकता है।

आंकड़ों पर जाएं तो महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 14 लाख से अधिक स्टील की थालियां वितरित की हैं। 13 लाख से अधिक कपड़े के थैले बांटे हैं। पौन तीन लाख से अधिक स्टील के गिलास बांटे गए हैं। इस अभियान से 29,000 टन अपशिष्ट की कमी आई है और 140 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है।

एक थाली और एक थैला अभियान

श्एक थाली और एक थैलाश अभियान में साधु–संतों और संस्थाओं का योगदान सराहनीय रहा है। उन्होंने इस अभियान को न केवल हाथों–हाथ लिया, बल्कि ऐसी व्यवस्था की कि भक्त स्वयं थालियां को साफ करें और सुरक्षित रखकर जाएं। यही कारण है कि मेला क्षेत्र प्लास्टिक की थाली या गिलास नजर नहीं आए। दूसरा, प्रशासन ने दोना–पत्तल, कुल्हड़ और कपड़े के थैलों को बहुत अधिक बढ़ावा दिया, जो बायोडिग्रेडेबल हैं। पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचते हैं। मेला प्रशासन ने अपनी ओर से अखाड़ों को दोना–पत्तल, कुल्हड़ और जूट–कपड़े के थैले मुफ्त में वितरित किए। सभी 25 सेक्टरों में इनके स्टॉल्स लगाए। प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ को लेकर जनजागरुकता अभियान चलाया। पूरे मेला क्षेत्र को प्लास्टिक फ्री घोषित किया।

प्लास्टिक कचरा एक बड़ा खतरा

आज देश के आगे प्लास्टिक एक गंभीर समस्या बना हुआ है। खासकर प्लास्टिक की थाली, गिलास और चम्मच पर्यावरण को बेहद नुकसान पहुंचा रहे हैं। प्लास्टिक, जो बरसों–बरस तक डिकम्पोज नहीं होता है। इस समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी कई बार टिप्पणी कर चुका है, लेकिन कोई भी राह इस दिशा में नजर नहीं आ रही है, लेकिन जिस तरह से महाकुंभ में स्टील की थाली व गिलास और कपड़े के थैले ने राह दिखाई है, वो काबिलेतारीफ है। देश इसका अनुसरण कर एक बड़ी समस्या से निजात पा सकता है। देश में हर वर्ष अरबों प्लास्टिक की थाली, गिलास, चम्मच आदि का इस्तेमाल विभिन्न अवसरों पर होता है। इनकी जगह यदि स्टील का इस्तेमाल हो तो बड़ी राहत मिल सकती है। स्टील को न केवल बार–बार प्रयोग में लिया जा सकता है,।

ट्रंप के खुलासों पर मोदी की चुप्पी क्यों ?

ट्रंप अच्छी दोस्ती निभा रहे हैं हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी से! माय डियर फ्रेंड कह कह कर रोज नए खुलासे कर रहे हैं। अब चौथी बार 18 मिलियन डालर की बात कही। कहां गया यह पैसा? किसके पास आया यह तो अब सवाल ही नहीं। प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने खुद कहा कि माय डियर फ्रेंड मोदी को दिया। मगर मोदी जी ने क्या किया? क्यों लिया? राहुल को बदनाम करने के लिए? राहुल ने खुद कहा कि उन्हें बदनाम करने के लिए भाजपा ने हजारों करोड़ रुपया खर्च किया। कांग्रेस के मीडिया डिपार्टमेंट के चेयरमेन पवन खेड़ा ने कहा कि 2021 से 2024 के बीच अमेरिका से 650 मिलियन डालर (करीब 600 करोड़ रुपया) भारत आया। और राहुल ने जो बात कही कि कितना पैसा उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया है।

रेलगाड़ियों का अतिरिक्त मार्ग परिवर्तन एवं टर्मिनल स्टेशन में बदलाव

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन एवं टर्मिनल स्टेशन में बदलाव किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

दिनांक 28.02.2025 (शुक्रवार), रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रयागराज जं. पर वर्तमान समय		निर्धारित मार्ग	प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग द्वारा	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
		आगमन	प्रस्थान			
12562	नई दिल्ली-जयनगर	05:25	05:35	कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज जं.-औंड़िहार-छपरा	कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर-छपरा	27.02.25
15657	दिल्ली-कामाख्या	08:05	08:10	गाजियाबाद-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	27.02.25
12506	आनन्द विहार (टर्मि.)-कामाख्या	16:05	16:15	गाजियाबाद-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.	28.02.25
12488	आनन्द विहार (टर्मि.)-जोगबनी	16:55	17:00	गाजियाबाद-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	28.02.25
15484	दिल्ली-अलीपुरद्वार	17:40	17:45	गाजियाबाद-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	28.02.25
12165	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-गोरखपुर	03:50	04:20	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ	27.02.25
12539	यशवंतपुर-लखनऊ	04:45	05:05	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- लखनऊ	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ	26.02.25
15017	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-गोरखपुर	07:55	08:20	मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- जंघई- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	27.02.25
11061	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-जयनगर	09:35	10:05	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-वाराणसी	27.02.25
18205	दुर्ग -गौतनवां	10:40	11:00	सतना-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.-गोरखपुर	सतना-ओहान-बांदा-कानपुर सेन्ट्रल-गोरखपुर	27.02.25
11071	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-बलिया	15:50	16:15	बीना-सागर-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.-जंघई-वाराणसी	बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-जौनपुर-वाराणसी	27.02.25
11037	पुणे -गोरखपुर	16:10	16:40	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ	27.02.25
22969	ओखा-बनारस	22:50	23:00	कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज जं.- बनारस	कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-बनारस	27.02.25
22535	रामेश्वरम-बनारस	22:10	22:35	मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- -प्रयागराज रामबाग-बनारस	मानिकपुर-प्रयागराज छिवकी- मिर्जापुर-जिवनाथपुर-बनारस	26.02.25
12561	जयनगर-नई दिल्ली	07:05	07:15	छपरा- औंरिहार-प्रयागराज जं.-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा- गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल	27.02.25
15483	अलीपुरद्वार-दिल्ली	09:20	09:25	पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज जं.-गाजियाबाद	पं. दीन दयाल उपाध्याय-लखनऊ-मुरादाबाद-गाजियाबाद	27.02.25
18309	सम्बलपुर-जम्मूतवी	09:45	09:50	चुनार- प्रयागराज जं.- गाजियाबाद	चुनार-वाराणसी - लखनऊ-मुरादाबाद	27.02.25
12487	जोगबनी-आनन्द विहार (टर्मि.)	11:40	11:45	पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज जं.-गाजियाबाद	पं. दीन दयाल उपाध्याय-लखनऊ-मुरादाबाद-गाजियाबाद	27.02.25
12505	कामाख्या-आनन्द विहार (टर्मि.)	12:25	12:30	पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज जं.-गाजियाबाद	पं. दीन दयाल उपाध्याय-लखनऊ-मुरादाबाद-गाजियाबाद	27.02.25
11062	जयनगर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	03:00	03:30	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	27.02.25
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	15:50	16:10	औंड़िहार-वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.	गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	28.02.25
11072	बलिया-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	19:10	19:35	वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.	वाराणसी-जौनपुर-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना	27.02.25
12166	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	23:05	23:30	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	28.02.25

दिनांक 01.03.2025 (शनिवार), रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तित

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रयागराज जं. पर वर्तमान समय		निर्धारित मार्ग	प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग द्वारा	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
		आगमन	प्रस्थान			
15657	दिल्ली-कामाख्या	08:05	08:10	गाजियाबाद-कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	28.02.25
12506	आनन्द विहार (टर्मि.)-कामाख्या	16:05	16:15	गाजियाबाद-कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज जं.-पं. दीन दयाल उपाध्याय	गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ-पं. दीन दयाल उपाध्याय	01.03.25
15017	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-गोरखपुर	07:55	08:20	मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- जंघई- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर	28.02.25
11061	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-जयनगर	09:35	10:05	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-वाराणसी	28.02.25
11071	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-बलिया	15:50	16:15	बीना-सागर-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.-जंघई-वाराणसी	बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-जौनपुर-वाराणसी	28.02.25
18610	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-रांची	16:10	16:35	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	28.02.25
01025	दादर-बलिया	18:10	18:35	बीना-ललितपुर-खजुराहो-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.-वाराणसी	बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ-वाराणसी	28.02.25
12165	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)-गोरखपुर	03:50	04:20	इटारसी-मानिकपुर जं.-प्रयागराज जं.- वाराणसी	इटारसी-बीना-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-कानपुर सेन्ट्रल-लखनऊ	28.02.25
11062	जयनगर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	03:00	03:30	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	28.02.25
15018	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	15:50	16:10	औंड़िहार-वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.	गोरखपुर-बाराबंकी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	01.03.25
11072	बलिया-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	19:10	19:35	वाराणसी-जंघई-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.	वाराणसी-जौनपुर-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना	01.03.25
01028	गोरखपुर-दादर	22:10	22:15	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-खजुराहो-ललितपुर-बीना	वाराणसी-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना	01.03.25
12294	प्रयागराज जं.-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	-----	18:10	प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-सतना	प्रयागराज जं.-भीमसेन-खैरार-ओहान-सतना	01.03.25
12166	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	23:05	23:30	वाराणसी-प्रयागराज जं.-मानिकपुर जं.-इटारसी	लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बीना-इटारसी	01.03.25

रेलगाड़ियों के टर्मिनल स्टेशन में बदलाव

गाड़ी संख्या	रेलगाड़ी का नाम	टर्मिनल स्टेशन में बदलाव का समय	प्रारंभिक स्टेशन से पूर्व में अधिसूचित तिथि	प्रारंभिक स्टेशन से टर्मिनल में बदलाव की प्रभावी तिथि
12417	प्रयागराज-नई दिल्ली प्रयागराज एक्सप्रेस	सूबेदारगंज प्रस्थान 22:15	10.01.25 से 28.02.25	01.03.25 से 15.03.25
12418		सूबेदारगंज आगमन 06:55	09.01.25 से 27.02.25	28.02.25 से 14.03.25
12403	प्रयागराज-लालगढ़ (प्रयागराज बीकानेर एक्सप्रेस)	सूबेदारगंज प्रस्थान 23:15	11.01.25 से 27.02.25	01.03.25 से 15.03.25
12404		सूबेदारगंज आगमन 04:40	10.01.25 से 26.02.25	28.02.25 से 14.03.25
20403	प्रयागराज-लालगढ़ (प्रयागराज बीकानेर एक्सप्रेस)	सूबेदारगंज प्रस्थान 23:15	10.01.25 से 28.02.25	02.03.25 से 14.03.25
20404		सूबेदारगंज आगमन 04:40	09.01.25 से 27.02.25	01.03.25 से 13.03.25
22438	आनन्द विहार ट.-प्रयागराज (हमसफर एक्सप्रेस)	सूबेदारगंज आगमन 06:15	09.02.25 से 27.02.25	02.03.25 से 13.03.25
12276	नई दिल्ली-प्रयागराज (हमसफर एक्सप्रेस)		08.02.25 से 26.02.25	28.02.25 से 14.03.25
22437	प्रयागराज-आनन्द विहार ट. (हमसफर एक्सप्रेस)	रीशेड्यूल प्रस्थान 00:30 (अगले दिन, 00:00 बजे के बाद प्रस्थान होने के कारण, टर्मिनल परिवर्तन के बाद निर्धारित प्रस्थान सूबेदारगंज से 22:35)	10.02.25 से 26.02.25	01.03.25 से 15.03.25
12275	प्रयागराज- नई दिल्ली (हमसफर एक्सप्रेस)		09.02.25 से 28.02.25	02.03.25 से 14.03.25

नोटः रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हैल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं: 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 373/25(DG)

सड़क किनारे खड़े 200 ट्रकों का चालान

पीडीडीयू नगर। हाईवे पर प्रयागराज महाकुंभ में स्नान कर लौटने के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए परिवहन विभाग के अधिकारियों ने ताबतोड़ कार्रवाई करते हुए 15 घंटे में सड़क किनारे खड़े 200 ट्रकों का चालान कर दिया। प्रयागराज महाकुंभ अब समाप्ति की ओर है।

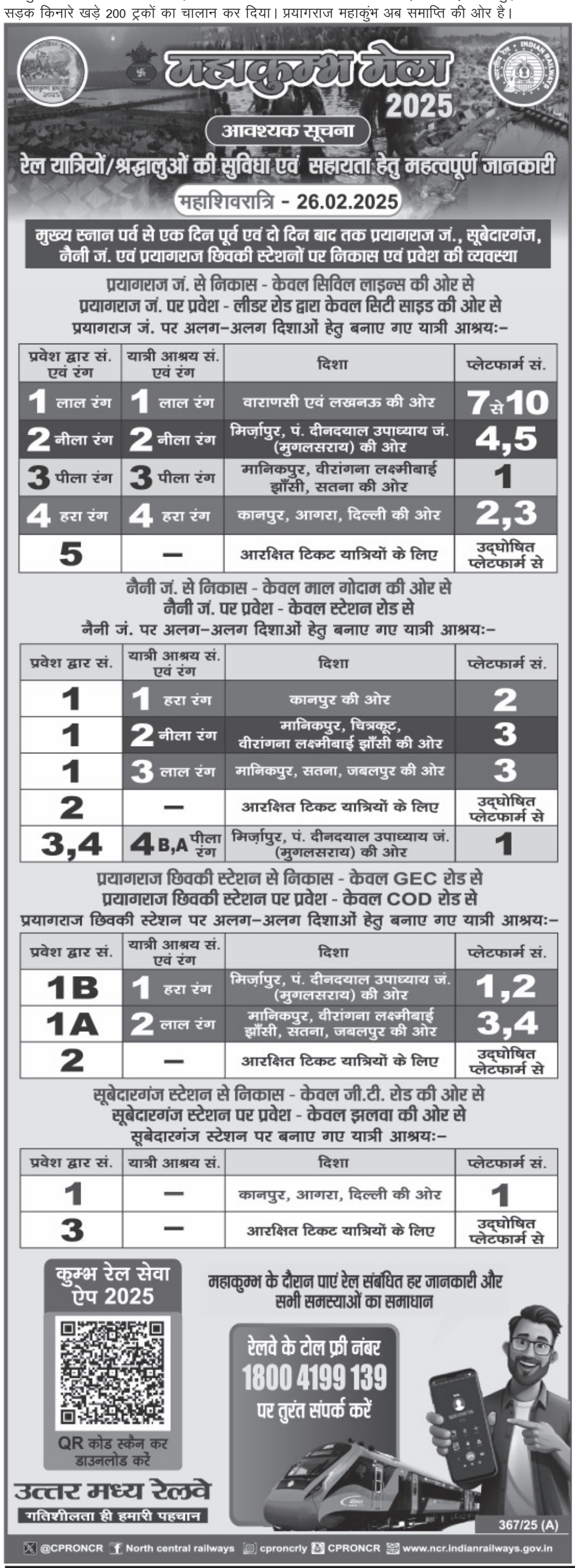

विश्वनाथ धाम में सुबह छह से नौ बजे तक अखाड़ों के आचार्य, नागा साधु करेंगे दर्शन

वाराणसी। महाशिवरात्रि (26 फरवरी) पर सुबह छह से नौ बजे तक अखाड़ों के आचार्य, साधु-संत और नागा साधुओं को श्रीकाशी विश्वनाथ के दर्शन कराए जाएंगे। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा ने बताया कि इन सभी को गेट नंबर चार से दर्शन कराया जाना है। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा, पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और डीएम एस राजलिंगम ने सोमवार को गोदौलिया क्षेत्र का निरीक्षण किया।

इसी दौरान मृत्युंजय मठ भी गए और वहां पंचनामदस जूना अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि से मिलकर विचार-विमर्श किया। साथ ही महाशिवरात्रि पर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने जाने वाले अखाड़ों के साधु-संन्यासियों के संबंध में चर्चा की। इसके बाद अखाड़ों के लोगों के दर्शन का समय तय किया गया। इस दौरान आचार्य महामंडलेश्वर ने खुद की लिखी पुस्तक ''एटरनल इकोज'' सभी अधिकारियों को भेंट की।

सुगम दर्शन की व्यवस्था बनाने के निर्देश

मंडलायुक्त ने एडीएम सिटी आलोक कुमार वर्मा और मंदिर के सीईओ विश्वभूषण को अखाड़ों के साथ ही श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन की व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने अखाड़ों के साधु-संतों, श्रद्धालुओं को मंदिर दर्शन के लिए तय मार्गों और गलियों से ले जाने के लिए कहा। पुलिस आयुक्त ने एडीसीपी ट्रैफिक राजेश कुमार पांडेय को यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने हेतु सभी संभव प्रयास करने के निर्देश दिए।

अस्पतालों में अलर्ट, शिवमंदिरों के पास खड़ी रहेंगी एंबुलेंस

महाशिवरात्रि पर काशी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने की संभावनाओं को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। मारवाड़ी अस्पताल, मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा सहित अन्य अस्पतालों की इमरजेंसी में डॉक्टरों की टीम को अलर्ट किया गया है। साथ ही यहां किसी भी तरह की आपात स्थिति में जांच, इलाज की मुकम्मल व्यवस्था रखने को कहा गया।

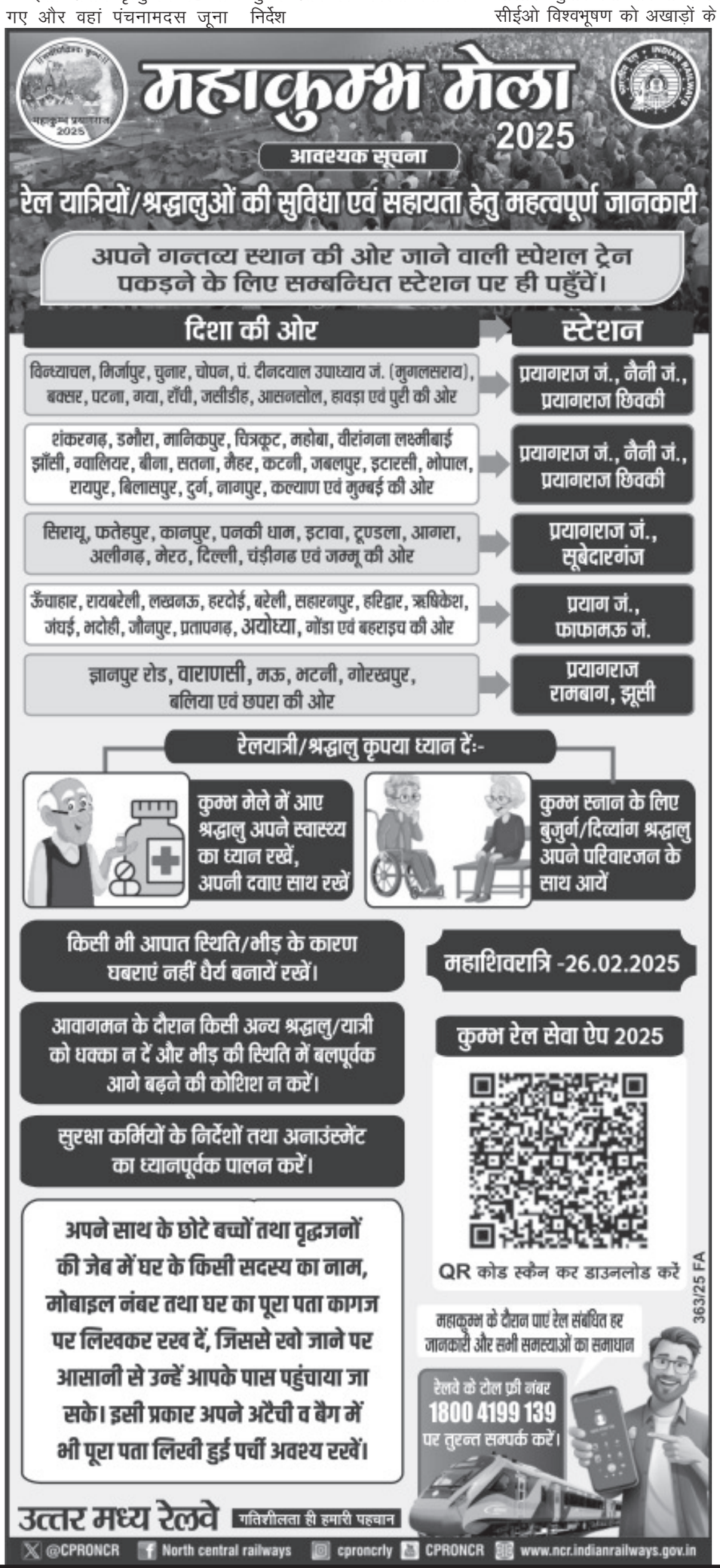

एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का काम 30 फीसदी पूरा

वाराणसी। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष विपिन कुमार ने रविवार शाम को वाराणसी एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। रनवे विस्तारीकरण के तहत एनएचएआई के टनल निर्माण, टर्मिनल भवन प्रोजेक्ट व भूमि अधिग्रहण के बारे में जानकारी ली। महाप्रबंधक (सिविल) वाराणसी, एयरपोर्ट निदेशक समेत अन्य अधिकारियों एयरपोर्ट प्रोजेक्ट कार्य का पीपीटी दिखाया। नए टर्मिनल के फाउंडेशन का कार्य लगभग 30 फीसदी पूरा हो चुका है। मल्टीलेवल कार पार्किंग का फाउंडेशन 90 फीसदी बन गया है। उन्होंने बताया कि टर्मिनल बिल्डिंग के लिए 99 एकड़ और रनवे विस्तार के लिए 105 एकड़ भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। टर्मिनल बिल्डिंग निर्माण के लिए 96 एकड़ भूमि अधिग्रहीत हो चुकी है। तीन एकड़ जमीन विवादित होने से अधिग्रहण नहीं हो सका है। टर्मिनल भवन निर्माण, रनवे एक्सटेंशन और अन्य परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार ने 2800 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक-सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्॥

दिव्य-भव्य-डिजिटल
एकता का महाकुम्भ

महाकुम्भ 2025
प्रयागराज में

महा शिवरात्रि

पर पुण्य स्नान
26 फरवरी, 2025

एकता के
महाकुम्भ
में अब तक
64 करोड़+
श्रद्धालु

महाकुम्भ में शपथ महान, एक रहेगा हिन्दुस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश | mahakumbh_25/ upmahakumbh MahaKumbh_2025 https://kumbh.gov.in/

आपकी सेवा में तत्पर-हेल्पलाइन नंबर

1920	112	1010	102, 108	18004199139
महाकुम्भ मेला	इमरजेंसी सर्विस	खाद्य एवं रसद	एम्बुलेंस सेवा	रेलवे सेवा